भारत रत्न नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि के कार्यक्रमों का शुभारंभ

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्चुअली किया संबोधन

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 25 फरवरी। भारत रत्न नानाजी देशमुख के निर्वाण के 16 वर्ष पूर्ण होने पर उनकी 16 वीं पुण्यतिथि पर 25, 26 एवं 27 फरवरी को दीनदयाल परिसर में पांच अलग-अलग सम्मेलन व संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। जिसका सामूहिक उद्घाटन सत्र बुधवार को विवेकानन्द सभागार में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के वर्चुअल उद्बोधन से हुआ।

इस अवसर पर सतना सांसद गणेश सिंह, नीमच मानसा के विधायक माधव मारु, बड़ा मठ के महंत वरुण प्रपन्नाचार्य महाराज, गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डॉ रामनारायण त्रिपाठी, सुदामा कुटी के महंत राम लखन दास महाराज, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो आलोक चौबे, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो

शिशिर पांडे, जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष अशोक जाटव, जिला पंचायत सतना के अध्यक्ष रामखेलावन कोल, बांदा चित्रकूट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, तुलसी शोध संस्थान की निदेशक श्रीमती मंजूषा चौधरी, नगर पंचायत चित्रकूट की अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल, कलेक्टर सतना सतीश कुमार एस, एसपी सतना एवं दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आभाषी माध्यम पर भोपाल से संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रोत्थान के लिए अपने जीवन को समर्पित करने वाले श्रद्धेय नाना जी को उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर अपने श्रद्धा पुष्प अर्पित करता हूं। नाना जी ने विविध क्षेत्रों में हजारों लोगों को गढ़ने का काम किया है, उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बहुत ही उन्नतशील काम खड़ा किया है। नानाजी ने चित्रकूट के उत्थान में कई कार्य किए, उन्होंने कृषि, शिक्षा, अनुसंधान, रोजगार, स्वास्थ और स्वावलम्बी बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र मे बहुत बड़ा कार्य किया है। उनके सभी कार्यों को मध्य प्रदेश सरकार की ओर से नमन करता हूं और इस महत्वपूर्ण समाजोपयोगी आयोजन के लिए आयोजक मंडल को शुभकामना देता हूं। उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के सीईओ अमिताभ वशिष्ठ ने तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट के प्रमुख डॉ राजेंद्र सिंह नेगी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो आलोक चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बड़े शहरों में शिक्षा तो मिल सकती है लेकिन आध्यात्म और संस्कार का अभाव है। लेकिन राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के आगमन के बाद आज चित्रकूट वह स्थान बन गया है जहां आध्यात्म, संस्कार और शिक्षा तीनों मिलते हैं।

जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा कि मुझे नाना जी के सानिध्य में काम करने का अवसर तो नहीं मिला लेकिन उनके किए कार्य आज परिणाम स्वरुप हमारे सामने हैं। संस्थान के समाज मूलक कार्यों को मैंने नजदीकी से देखा भी है और नाना जी के प्रत्येक कार्य आज समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। नीमच विधायक माधव मारू ने कहा कि नाना जी ने दस्यु प्रभावित क्षेत्र में अपना काम खड़ा करके लोगों में जिस तरह हृदय परिवर्तन करके एक बहुत बड़ा सामाजिक पुनरर्चना की प्रयोगशाला तैयार की है वो देश दुनिया के लिए अनुकरणीय है।

महंत वरुण प्रपन्नाचार्य ने कहा कि नानाजी जब चित्रकूट आए तो उन्होंने सबसे पहले यहां शिक्षा और कृषि पर फोकस किया उसी के चलते आज चित्रकूट में विकास के मार्ग प्रशस्त हुए हैं। महंत राम लखन दास महाराज ने कहा कि शिक्षा, संस्कार और साधना से व्यक्ति का जीवन परिपूर्ण होता है। चित्रकूट आज वह स्थान बन गया है जहां व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

इनका कहना है

गायत्री शक्तिपीठ के **डॉ रामनारायण त्रिपाठी** ने कहा कि चित्रकूट मां सती का तीर्थ था, फिर भगवान राम जी आए तो राम जी का तीर्थ बन गया और जब नाना जी आए तो राष्ट्र तीर्थ और राज तीर्थ भी बन गया। जहां से शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में हो रहे नवाचार देश भर के लोगों को प्रेरणा देने का काम कर रहे हैं।

तुलसी शोध संस्थान की निदेशक श्रीमती **मंजूषा चौधरी** ने कहा कि मैंने नाना जी को तो नहीं देखा लेकिन एक गुरु ने जिस तरह से अपने शिष्य को गढ़ा होगा उस रूप में मैंने अभय महाजन जी और उनके कार्यों को देखा है। जिन किसानों ने अपने अन्न से हमें बड़ा किया है आज वह यहां अग्रिम पंक्ति में बैठे हैं यही सही अर्थ में ग्रामोदय है। उद्घाटन सत्र के अंत में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

किसानों ने महापंचायत कर पीएम सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सतना/ अमरपाटन 25 फरवरी, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ब्लाक अमरपाटन द्वारा किसानों की 14 सूत्रीय मांगो को लेकर किसान महा पंचायत चिन्तन सम्मेलन का आयोजन यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगे राम त्यागी के मुख्य अतिथि एवं प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिंह की अध्यक्षता में किया गया विशिष्ट अतिथि चौधरी उम्मेद सिंह रहे।

ट्रैक्टर ,चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों से किसान रैली के रूप में लालपुर होते हुये अमरपाटन मुख्य मार्ग से कृषि उपज मंण्डी पहुंच कर महापंचायत किया। पंचायत में सभी वक्ताओं ने केन्द्र व राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुये किसान हित को सर्वोपरि रखते हुये किसान हितैषी नीति बनाने की मांग की गयी। मुख्य अतिथि की आसन्दी मांगेराम त्यागी जी ने किसानो को सम्बोधित करते हुये कहा की सतना और मैहर जिलों में किसानो की बेस कीमती कृषि भूमि शासन व प्रशासन द्वारा सीमेन्ट उद्योगपतियों को देने की जो साजिस की जा रही है उसे संगठन कतई बर्दास्त नहीं करेगा। संगठन आर पार की लड़ाई लड़ेगा और किसानों को न्याय दिलाने का काम करेगा । कार्यक्रम के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी अमरपाटन को भारत के प्रधान मंत्री एवं मुख्य मंत्री म0प्र0 को सम्बोधित ज्ञापन पत्र सौंपा गया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमृत लाल पटेल , द्वारिका प्रसाद तिवारी, इन्द्रजीत पाठक, आर0के0 पटेल, चिन्तामणि कुशवाहा, जगनन्दन पटेल, इन्द्रभान सिंह, रामदीन पटेल, बद्री कुशवाहा, जितेन्द्र सिंह, संतोष सिंह, अशोक सिंह तिवारी, कामता पटेल, रामकिशोर पटेल, शैलेन्द पटेल, अनिल कुशवाहा, दिनेश पटेल, गंगा प्रसाद पटेल रामललोहर गौतमा सुखदेव सिंह के0डी0 सिंह, रामकलेश सिंह, धीरेन्द्र पटेल, बृजभान सिंह, सुरेश सिंह, उदयभान सिंह, बृजवासी कुशवाहा, विश्राम सिंह, जयभान सिंह ,विनोद त्रिपाठी, विकास मिश्रा, संजय मिश्रा, पुष्पेन्द्र सिंह, बालेन्द्र शेखर चौरसिया, अजय पटेल ज्ञानेन्द्र, रामेश्वर पटेल,राजेन्द्र सिंह, महेश पटेल, शिवकुमार रावत, लवकुश आदि ने भाग लिया।

नवागत सीएमओ ने मिठाई खिलाकर अनशन तोड़वाया

नगर परिषद रामनगर में सफाई कर्मचारियों का वेतन भुगतान के लिए तीन दिन से चल रहा था अनशन

नवभारत न्यूज

रामनगर 25 फरवरी, नगर परिषद रामनगर में सफाई कर्मचारियों का तीन दिन से चल रहा अनिश्चितकालीन अनशन आज समाप्त हो गया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनते हुए उनकी मांगों को जायज मानते हुए लिखित आश्वासन दिया और वेतन भुगतान सहित अन्य व्यवस्थाओं का शीघ्र समाधान करने का वादा किया। इससे कर्मचारियों ने अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया और सीएमओ ने मिठाई खिलाकर अनशन तोड़वाया। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारी तीन दिनों से अनशन पर डटे हुए थे।

उनकी मुख्य मांगों में बकाया वेतन का तत्काल भुगतान, आउटसोर्सिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार और सेवा शर्तों में सुधार शामिल थे। अनशन के कारण शहर में सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही थी और कचरे के ढेर लग गए थे। सीएमओ अरुण कुमार श्रीवास्तव खुद अनशन स्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से लंबी बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों को समझाया कि उनका वेतन उचित है और जल्द ही भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही अन्य समस्याओं के निदान के लिए लिखित कार्यवाही शुरू करने का समय मांगा। बातचीत के दौरान कर्मचारियों को मिठाई वितरित कर मुंह मीठा कराया गया, जिससे माहौल सकारात्मक हो गया। इस मौके पर लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, विभागीय अध्यक्ष महेंद्र पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष ओमकार शर्मा और तहसील अध्यक्ष रत्नेश पांडे मौजूद रहे। अनशन औपचारिक रूप से समाप्त होने के बाद कर्मचारियों ने सीएमओ के सहयोगी रवैये की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि वादे समय पर पूरे हुए तो आगे ऐसे आंदोलन की नौबत नहीं आएगी। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि बकाया वेतन और अन्य मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई होगी। यह घटनाक्रम स्थानीय स्तर पर कर्मचारी और प्रशासन के बीच संवाद व समझौते की अच्छी मिसाल पेश करता है। अब नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पटरी पर लौटने की उम्मीद जगी है।

शाहताजुल औलिया मुहिब्बे अली रहमतुल्लाह अलैह का उर्स 8से

नवभारत न्यूज

मुकुन्दपुर 25 फरवरी, मैहर जिले के अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदपुर में शहिन्शाहे मध्य प्रदेश हजरत शाह ताजुल औलिया मुहिब्बे अली रहमतुल्लाह अलैह पाक का 798 वां उर्स पाक 8 मार्च को गुस्लखानी चादर पोशी और बेहतरीन फातिहा और सलाम दरबार में पेश किया जाएगा।

9 मार्च को लंगरखानी का इंतजाम किया जायेगा।साथ ही पूरा दिन शांत,मनकबत,तकरीर होती रहेंगी।यह सिलसिला 10 मार्च 26 तक चलता रहेगा ।और 10मार्च 26की रात दस बजे से शरीफ परवाज़ और रुखसाना बानो के बीच जुबानी जंग 11मार्च की सुबह 5 बजे

तक होती रहेगी।और 11 मार्च 26की सुबह 6 बजे से 9 बजे दिन तक शाह ताजुल औलिया मुहिब्बे अली रहमतुल्लाह अलैह पाक की शान में नाते पाक और सलाम मजार पाक के पास पेश की जायेगी। और 8 मार्च 26 से लगातार 10 मार्च 26 की देर रात 3 बजे तक मोहम्मद मोहसिन भाई की जेलें सरपरस्ती में लंगरखानी में पुलाव, तन्दूरी रोटी और सब्जी हर जरूरतमंद जियारत मंद अकीदतमंदों श्रद्धालुओं को पेश की जायेगी।

निर्धन परिवार की दो बेटियों के विवाह में सहयोग किया मंच ने

नवभारत न्यूज

सतना/ बिरसिंहपुर 25 फरवरी। समाज सेवा और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गुलाब शुक्ला जनसहयोग मंच ने बिरसिंहपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पगार निवासी नाथू कोल की दो पुत्रियों के विवाह में सहयोग प्रदान करने की सराहनीय पहल की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर नाथू कोल अपनी दोनों बेटियों के विवाह को लेकर काफी चिंतित थे। सीमित आय और संसाधनों के अभाव में विवाह की तैयारियां

करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा था। ऐसे समय में जब मंच के पदाधिकारियों को स्थिति की जानकारी मिली, तो उन्होंने आगे बढ़कर विवाह में आर्थिक एवं आवश्यक सामग्री के रूप में सहयोग देने का निर्णय लिया। विवाह समारोह की तैयारियां जारी हैं। मंच के सदस्यों ने भरोसा दिलाया है कि दोनों विवाह समारोह सामाजिक परंपराओं के अनुरूप एवं गरिमामय ढंग से संपन्न हों, इसके लिए हर संभव सहायता की जाएगी। ग्रामीणों ने मंच की सराहना कर रहे हैं .

मनमर्जी पर उतारू जपं कार्यालय के कर्मचारी

नवभारत न्यूज

सतना/ उचेहरा 25 फरवरी, शासन के नियमों को बलाये ताक रख जनपद सहित अन्य कार्यालयों के कर्मचारी समय से अपने कार्यालय नहीं पहुंचने से ग्रामीण अंचल से आये जरूरत मन्दों को काफी परेशानियों का सामना करना प? रहा है।

एक तरफ प्रदेश शासन के मुखिया ने शिक्षा विभाग में मनमर्जी पर लगाम लगाते उपस्थिति एप के माध्यम से अनिवार्य कर दिया है यह मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचने के बाद भी आखिर एप के माध्यम से हाजरी लगानी ही पड़ रही है शिक्षा विभाग से जुड़े संगठनों का तर्क था कि नेट वर्किंग समस्या आने से शिक्षक उपस्थित होने के बावजूद अनुपस्थित हो रहे हैं इस विषय मे

सरकार ने भी अपना सख्त रुख अपनाया उच्च न्यायालय से शिक्षकों को राहत नहीं मिली, इसी तरह अगर हर विभागों में भी इस तरह की अनिवार्य व्यवस्था लागू हो तो अपने आप ही अधिकारियों की मन मर्जी पर बहुत कुछ लगाम लग सकती है। अक्सर विभाग के खासकर जनपद के तकनीकी अमला का इस विषय में जवाब होता है कि हम फील्ड में विजिट में है लेकिन अगर पहले विभाग के अधिकारी /कर्मचारीयो का अपने - अपने मुख्यालय में समय से अटेंडेंस लगाना अनिवार्य हो जाय तो इस तरह की बहाने बाजी से कुछ हद तक राहत जरूर मिल सकती है। जनपद सहित अन्य विभागों के खासकर मैदानी अमला अपने मन मर्जी के मालिक बन बैठे है कब आना और कब जाना हो जाय कोई कहने वाला नही । उचेहरा का शायद ही कोई विभाग हो जिसके जिम्मेदार कर्मचारी / अधिकारी अपने मुख्यालय में रहते हो अमूमन सतना या मैहर से प्रतिदिन अप डाउन करते है इस मामले की कभी गमीरता से जिले के अधिकारी आकस्मिक निरीक्षण करें तो सच्चाई सामने आते देर नही लगेगी।

आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने मझगवां में लगाया रक्तदान शिविर

- तहसीलदार,बी.एम.ओ व टी.आई सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान
- संस्थान प्रमुख आशुतोष द्विवेदी ने खुद किया 26 वां रक्तदान

नवभारत न्यूज

सतना 25 फरवरी, चित्रकूट क्षेत्र की समाजसेवी संस्था आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान द्वारा 25,02,2026 दिन बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम संस्थान द्वारा भगवान गणपति की प्रतिमा का पूजन कर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों व डाक्टरों का बैच लगाकर व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया तत्पश्चात रक्तदान

किया गया जिसमें सर्वप्रथम मझगवां तहसीलदार हिमांशु शुक्ला मझगवां, थाना प्रभारी आदित्य धुर्वे ,विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ रुपेश सोनी मझगवां ,संस्थान प्रमुख आशुतोष द्विवेदी ,उपसरपंच सफीक राजू सौदागर, विजय सिंह पूर्व सरपंच मझगवां, समाजसेविका सीमा जैसवाल, मनोज पांडेय, आशीष पांडेय ,महंत सिंह, जैनेन्द्र रवि, अश्वनी गर्ग ने रक्तदान किया वहीं ब्लड बैंक सतना के लैब टेक्नीशियन आशीष तिवारी,एल.के वर्मा,राजेंद्र श्रीवास्तव ने रक्तदाताओं का सेंपल चेक करते हुए ब्लड बैंक हेतु रखकर प्राप्त किया वहीं इस मौके पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

भोपाल किसान महा चौपाल में सैकड़ों कांग्रेस जन शामिल हुए

नवभारत न्यूज

कोठी 25 फरवरी, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में भोपाल में हुई किसान महा चौपाल में किसान कांग्रेस सतना जिला अध्यक्ष संतोष पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ता एवं किसान शामिल हुए ।

सतना की टीम उत्साह के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंच कर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भारत सरकार द्वारा अमेरिका से की गई ट्रेड डील पर विचार को सुना और एवं अपने नेता राहुल गांधी को जबरदस्त समर्थन देने के लिए हुंकार भरी। इस दौरान मुख्य रूप से यात्रा में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव

राजभान सिंह राज, किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष उमेश सिंह पप्पू ,विजय सिंह परिहार ,अशोक शर्मा महामंत्री ,विज्ञान सिंह बृजेश गर्ग सोनू ,कृष्णेंद्र सिंह ,अजय सिंह बंटू, कृष्णभान सिंह ,मनिंदर सिंह जीतू, रुपेश बागरी रामकुमार विश्वकर्मा ,आदित्य नारायण पांडे ,राकेश शुक्ला ,अखंड प्रताप सिंह ,सोमेश मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह सद्दू ,निलेद द्विवेदी ,मुनेंद्र द्विवेदी, धर्मेंद्र सिंह परिहार सोनू रैकवार, वीरभान बागरी, संदीप बागरी, मलखान विश्वकर्मा, अनिल रैकवार ,आलोक सिंह, पवन सिंह सोनू, रुक्मणी रमन प्रताप सिंह बबलू सहित किसान कांग्रेस के ब्लॉक एवं जिले के सभी पदाधिकारी एवं कई सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षकों के लिए तुगलकी फरमान जारी : रविशंकर

एक सप्ताह की अनुपस्थिति पर रिलीव करने का आदेश

नवभारत न्यूज

सतना 25 फरवरी, आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष रविशंकर दहायत ने बताया है की मध्यप्रदेश में शासकीय स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए कार्यरत अतिथि शिक्षकों के संदर्भ में सरकार के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर तुगलकी फरमान जारी किए जाते रहे हैं।

हाल ही में जारी आदेश (क्रमांक/अतिथि शिक्षक/2025-26/467, दिनांक 20.02.2026) में यह निर्देश दिया गया है कि यदि कोई अतिथि शिक्षक एक सप्ताह से अधिक विद्यालय से अनुपस्थित रहता है, तो उसे तत्काल पोर्टल से रिलीव कर दिया जाए। लेकिन सरकार यह भूल जाती है कि अतिथि शिक्षक भी इंसान हैं, मशीन नहीं। वे भी बीमार हो सकते हैं, उनकी भी पारिवारिक जिम्मेदारियां होती हैं। यदि किसी अतिथि शिक्षक का एक्सीडेंट हो जाए या परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु हो जाए, तो क्या मानवीय मूल्यों को भूलकर उन्हें स्कूल से बाहर कर देना उचित है? जबकि अतिथि शिक्षकों के पास न अवकाश की पात्रता है और न ही कोई मूलभूत सेवा सुविधाएं

उपलब्ध हैं। आज स्थिति यह है कि अतिथि शिक्षक बेबस, बेचारा, मजबूर और दिहाड़ी मजदूर बनकर रह गया है। अन्याय और जुल्म दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। शोषण की हदें पार की जा रही हैं और लगातार उन्हें असुरक्षा और निर्भरता की स्थिति में रखा जा रहा है। फिर भी अतिथि शिक्षक उम्मीद के साथ सरकार की ओर देख रहा है। यह आदेश न केवल अव्यवहारिक और अमानवीय है, बल्कि इसके दुरुपयोग की भी गंभीर आशंका है। अतिथि शिक्षकों को यह भय है कि इस आदेश का गलत उपयोग किया जा सकता है। कोई भी प्राचार्य या संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत कारणों या मनमानी के आधार पर किसी अतिथि शिक्षक को यह कहकर बाहर कर सकता है कि वह एक सप्ताह विद्यालय नहीं आया। बिना निष्पक्ष जांच, बिना लिखित सूचना और बिना स्पष्टीकरण का अवसर दिए यदि रिलीव की कार्रवाई होती है, तो यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा।

सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय ने 10 प्राथमिक नेत्र जांच केंद्र एवं सामुदायिक आउटरीच का किया शुभारंभ

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 25 फरवरी, परम पूज्य संत रणछोड़ दास द्वारा स्थापित श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट के तत्त्वावधान में एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र जनपद वाराणसी में संचालित "स्वस्थ दृष्टि-समृद्ध काशी" कार्यक्रम के अंतर्गत सदगुरू नेत्र चिकित्सालय ने नेत्र सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस कार्यक्रम के तहत प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्रों एवं कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम का शुभारंभ सद्गुरु नेत्र जांच केंद्र, श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय, दुर्गाकुंड, वाराणसी में किया गया। इस अवसर पर सेवा फाउंडेशन के सहयोग से सदगुरू नेत्र चिकित्सालय द्वारा काशी क्षेत्र में कुल 10 प्राथमिक नेत्र जांच केंद्रों की स्थापना की गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्र का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी डी. के. सिंह, सेवा फाउंडेशन की प्रतिनिधि एवं प्रोग्राम ऑफिसर सुश्री श्रद्धा नातिनवार तथा सेंटर फॉर कम्युनिटी ऑप्थैल्मोलॉजी, चित्रकूट के प्रमुख सुबीश कुय्यादियिल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। वहीं, 9 प्राथमिक नेत्र जांच केंद्रों के जूम माध्यम मरीजों के करकमलों से एक

साथ वर्चुअल उद्घाटन किया गया। जो तकनीक एवं सेवा के मानवीय समन्वय का प्रभावशाली उदाहरण बना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि काशी में बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण आबादी के लिए सुलभ नेत्र सेवाएँ अत्यंत आवश्यक हैं और यह पहल अंधता की रोकथाम में अहम भूमिका निभाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी डी. के. सिंह ने डिजिटल युग में बढ़ती नेत्र समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए समुदाय स्तर पर प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्रों को समय की आवश्यकता बताया। सेवा फाउंडेशन की प्रतिनिधि सुश्री श्रद्धा नितनावरे ने बताया कि संस्था का लक्ष्य रोकी जा सकने वाली अंधता को समाप्त करना है तथा सदुरु नेत्र चिकित्सालय के साथ साझेदारी इस दिशा में सशक्त प्रयास है। उन्होंने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सेवा फाउंडेशन के सहयोग से 50 से अधिक विज़न सेंटर्स संचालित किए जा रहे हैं। वहीं, सदुरु नेत्र चिकित्सालय के अंतर्गत सेंटर फॉर कम्युनिटी ऑप्थैल्मोलॉजी के प्रमुख सुबीश कुय्यादियिल ने अस्पताल की वर्तमान सेवाओं, आने वाले समय में प्रस्तावित सुविधाओं तथा सदुरु नेत्र चिकित्सालय द्वारा संचालित विभिन्न नेत्र सेवाओं एवं उनके लाभार्थियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने इसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक नेत्र ज्योति पहुँचाने का साझा संकल्प बताया। वही सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के सी ई ओ डॉ इलेश जैन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सदगुरू नेत्र चिकित्सालय मानव सेवा के लिए संकल्पित है,हमारा प्रयास है कि नेत्र रोगियों को हम ज्यादा से ज्यादा सुविधा प्रदान कर सके। वहीं संस्थान के मीडिया प्रभारी वीरेंद्र शुक्ला द्वारा श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय की इस बड़ी उपलब्धि के बारे में जानकारी दी गई।